patrika.com
पत्रिका . भोपाल. मंगलवार.22.08.2017

सांची विश्वविद्यालय का कैंपस...

परमारकालीन वास्तुशैली पर होगा तैयार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय परिसर को कुछ अलग अंदाज में बनाने की तैयारी की जा रही है। विश्वविद्यालय अपने कैंपस में प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने की योजना बनाई है। इसके चलते इन धरोहरों की वास्तुशैली का उपयोग कर विश्वविद्यालय कैंपस तैयार कराया जाएगा। इसमें परमारकालीन उदयपुर टैंपल की परमारकालीन वास्तुशैली के अलावा ग्यारसपुर के मालादेवी मंदिर में अपनाई गई वास्तुशैली का भी समावेश किया जाएगा। विवि परिसर में भारतीय व बौद्ध वास्तुशैली देखने को मिलेगी।

विदिशा जिले का ग्यारसपुर विकासखंड में एक पहाड़ी ढलान पर ऐतिहासिक मालादेवी मंदिर स्थित है। घाटी के कोने में स्थित यह मंदिर एक आभूषण की तरह दिखाई देता है। इसके नक्काशीदार स्तंभ, मूर्तियां, दरवाजे के चौखट, बालकनी, वास्तु कला हमें हमारे समृद्ध इतिहास से रूबरू करवाते हैं और उसे जानने की समझ पैदा करते हैं। उदयपुर मंदिर भी देश के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की वास्तु कला इंडो-आर्यन शैली की है। इनका समावेश सांची विवि के परिसर में किया जाएगा। यह वास्तुशैली सांची विवि के अलग-अलग भवन के स्ट्रक्चर में देखने को मिलेगी।

चार देशों के आर्किटेक्ट कर रहे काम

सांची विश्वविद्यालय के परिसर की डिजाइन तय करने में भारत समेत इंडोनेशिया व श्रीलंका के आर्किटेक्ट की मदद ली जा रही है। इसमें न सिर्फ भारतीय वास्तुकला बल्कि इंडोनेशिया, चीन व श्रीलंका की वास्तुकला का निर्माण किया जाएगा। प्रशासन के मुताबिक विश्वविद्यालय की डिजाइन अगले दो से तीन महीने में फाइनल कर ली जाएगी।

विवि परिसर से ही हो सकेंगे सांची दर्शन

विदिशा रोड स्थित बारला में सांची विश्वविद्यालय का कैंपस तैयार हो रहा है। पीआरओ विजय दुबे ने बताया कि विवि प्रशासन की योजना है कि सांची स्तूप विवि से कुछ ही किमी की दूरी पर है। इसलिए योजा है कि विवि से सांची स्तूप के दर्शन किए जा सकें।

> विश्वविद्यालय कैंपस में बनने वाले विभिन्न भवनों के निर्माण में भारतीय व बौद्ध वास्तुशैली का उपयोग किया जाएगा। इसके लिए विशेषज्ञ आर्किटेक्ट इंजीनियरों की मदद ली जा रही है।
> **राजेश गुप्ता,** रजिस्ट्रार सांची विवि

पत्रिका . भोपाल. गुरुवार. 31.08.2017 patrika.com

सांची विवि में पढ़ाएंगे विदेशी प्रोफेसर

भोपाल. सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में छात्रों को कई देशों में पढ़ाने का अनुभव रखने वाले प्रोफेसर्स से पढ़ने का मौका मिलेगा। विवि की अंतरराष्ट्रीय छवि के अनुरूप सांची विवि की विद्या परिषद ने इन प्रोफेसर्स को सांची विवि में अपनी सेवाएं देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। विद्या परिषद की बैठक का आयोजन किया गया। बौद्ध अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए थाइलैंड विवि के डियोन ओलिवर पीपुल्स तथा सामरिक अध्ययन के लिए अमरीका समेत कई विवि में पढ़ा चुके डॉ. देबीदत्ता ओरबिंदो मोहपात्रा की सेवाएं मिलेगी। भारतीय दर्शन, योग एवं अंग्रेजी भाषा के पाठ्यक्रमों के लिए भी प्रोफेसर स्तर के रिटायर्ड प्राध्यापकों की सेवाएं आमंत्रण आधार पर लेने की मंजूरी विद्या परिषद ने दी। भारतीय दर्शन के लिए चेन्नई विवि के रिटायर्ड प्रोफेसर जी मिश्रा, योग के लिए बैंगलोर योग विवि के प्रो. एमके श्रीधर की सेवाएं ली जाएंगी।